1

राजनीतिक समानता

राजनीतिक समानता का अर्थ यह है कि राजनीतिक प्रक्रियाओं को प्रभावित करने के अवसर सभी नागरिकों को समान रूप से प्राप्त होने चाहिए। राजतन्त्र, कुलीनतन्त्र या तानाशाही व्यवस्था राजनीतिक समानता के सिद्धान्त में विश्वास नहीं करती। इन व्यवस्थाओं में जन्म या वंश के आधार पर भेदभाव एक सामान्य स्थिति है। लेकिन लोकतान्त्रिक व्यवस्था राजनीतिक समानता के सिद्धान्त पर आधारित है।

1. मतदान का अधिकार → मतदान का अधिकार राजनीतिक समानता की प्रथम स्थिति है। इसका आशय यह है कि धर्म, जाति, सम्पत्ति, शिक्षा या लिंग के आधार पर किसी भेदभाव के बिना सभी व्यक्तियों को मत देने का अधिकार प्राप्त होना चाहिए।

2. चुनाव में उम्मीदवार बनने का अधिकार → नागरिकों को चुनाव में उम्मीदवार होने का अधिकार समान रूप से प्राप्त होना चाहिए।

3. प्रार्थना-पत्र का अधिकार → नागरिकों को प्रार्थना पत्र देने और इस माध्यम से अपनी शिकायतें सरकार तक पहुँचाने का अधिकार समान रूप से होना चाहिए।

4. राजकीय नियुक्तियां तथा सम्मान प्राप्त करने का अधिकार →

सामाजिक समानता

समानता का एक महत्वपूर्ण पक्ष सामाजिक समानता है। सामाजिक का आशय यह है कि समाज और सामाजिक जीवन में सभी व्यक्तियों को समान समझा जाना चाहिए।

।

भूतकाल मे अमेरिका और अन्य कई देशों में दास - प्रथा का प्रचलन था, आज भी दक्षिण अफ्रीका जैसे देश में वर्ण के आधार पर भेदभाव की स्थिति है। अमेरिका में नीग्रो लोगों और भारत मे दलित वर्ग के प्रति अपमानजनक व्यवहार किया जाता है। ये सभी स्थितियां सामाजिक समानता के सिद्धान्त के विरुद्ध है।

सामाजिक समागम को बढ़ावा मिले : सामाजिक समागम का अर्थ है → विवाहसम्बन्धों व खान - पान के क्षेत्र मे निषेधों का अभाव। सामाजिक समागम का अर्थ है। सामाजिक असमानताओं को उदार शिक्षा द्वारा दूर किया जा सकता है।

~~राजनीतिक विशिष्ट वर्ग की विशेषताएँ~~